रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 269, पृष्ठ 12)
श्रावण, स्नान दान पूर्णिमा संवत् 2083
शुक्रवार, 28 अगस्त 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... ओंकारेश्वर में एकात्मधाम का शुभारंभ

खेल... एमबाप्पे की हैट्रिक से रियल मैड्रिड की शानदार जीत...

व्यापार... सुभाष चंद्रा के 22 हजार करोड़ कर्ज का निपटारा...

देश-विदेश... अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में मंत्री की पत्नी ...

चीन का अलर्टः फिर तबाही की आशंका

काठमांडू, एजेंसी : नेपाल में बुधवार की भीषण बाढ़ के बाद एक और बड़ी बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। चीन ने बताया है कि रसुवागढ़ी बॉर्डर से 18 किमी ऊपर ल्हेंदे नदी में पानी रुकने से झील बनी है। पानी बढ़ रहा है और झील टूटने का खतरा है। भोटेकोशी के निचले इलाकों में लोगों को नदी किनारे से दूर रहने और सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी है। झील करीब 0.11 वर्ग किमी में फैली है। इसके टूटने पर भोटेकोशी में फिर तेज बाढ़ आ सकती है। अब तक 359 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि करीब 1500 लोगों की तलाश जारी है। लापता लोगों में 288 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

बर्बादी का मंजरः 359 शव बरामद, 288 भारतीय समेत 1500 लापता

ग्लेशियर का एक बड़ा हिस्सा ढहा, नदी में गिरा

नेपाल-चीन सीमा के पास हुई घटना में ग्लेशियर का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। बर्फ और चट्टानों के साथ ल्हेंदे खोला नदी में गिर गया था। ल्हेंदे खोला, भोटेकोशी नदी की सहायक नदी है। शुरुआत में इसे भूकंप के झटके के रूप में देखा गया था, लेकिन बाद में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने स्पष्ट किया कि यह 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा प्रभाव पैदा करने वाला बड़ा भूस्खलन था।

भोटेकोशी नदी में फिर बाढ़ का खतरा

चीन से मिली सैटेलाइट तस्वीरों में जानकारी सामने आई है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में नदी का पानी रुकने से एक झील बन गई है। इसमें लगातार पानी बढ़ रहा है और इसके टूटने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने भोटेकोशी नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों, यात्रियों और राहत कार्यों में लगे लोगों को नदी किनारे और जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है।

जान बचाने के लिए ऊंचे स्थानों पर गए

भोटेकोशी नदी में तेज बहाव के कारण कई इलाकों में घरों और सड़कों को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर लोग अपनी जान बचाने के लिए ऊंचे स्थानों पर चले गए। राहत दल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटे हैं।

पीएम शाह ने किया दौरा

पीएम बालेन शाह ने बाढ़ प्रभावित नुवाकोट जिले का दौरा किया। उन्होंने बट्टार बाजार स्थित सेना प्रशिक्षण केंद्र पहुंचकर राहत और बचाव अभियान की जानकारी ली। मृतकों की पहचान के लिए काठमांडू की मॉर्चुरी के बाहर तस्वीरें लगाई हैं। परिजन तस्वीरों के माध्यम से लापता लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट

पटना : नेपाल के रसुवा जिले में आई बाढ़ के बाद बिहार के गंडक बैराज से चार बार पानी छोड़ा गया। बैराज के 36 गेट खोलकर अब तक 6.32 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी पहुंचा। बैराज से हर सेकेंड करीब 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा है। केंद्रीय जल आयोग ने गंडक नदी में 3 मीटर ऊंची लहरों और फ्लैश फ्लड की आशंका जताई है। बिहार के आठ जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

ओलंपिक में पदक लाने की तैयारी करें खिलाड़ीः मोदी

प्रतिभाओं को निखारने का मंच बना खेलो इंडिया, खेल विकसित भारत के निर्माण का अभियान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खेलो इंडिया संवाद में भाग लिया। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया देशभर की खेल प्रतिभाओं को निखारने का एक प्रभावी मंच बन गया है और युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को पूरा करने के अवसर और सहयोग प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह भारत की खेल शक्ति और युवा शक्ति को जोड़कर विकसित भारत के निर्माण का अभियान है। उन्होंने कहा कि जो खेलेंगे, वे खिलेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत को उन खेलों में भी महारत हासिल करनी होगी, जिनमें देश अभी कम भागीदारी करता है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में कई खेल ऐसे हैं, जिनमें भारत की मौजूदगी सीमित रही है। पदक तालिका में सुधार के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने 2036 ओलंपिक की तैयारियों का जिक्र करते हुए कहा कि 5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों में खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है। खेल मैदान व्यक्ति को केवल चैंपियन बनना नहीं सिखाता, बल्कि असफलताओं से सीखकर दोबारा आगे बढ़ने का साहस भी देता है।

पीएम दो देशों के दौरे पर जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की यात्रा करेंगे। 29-30 अगस्त को वह उज्बेकिस्तान की द्विपक्षीय यात्रा पर रहेंगे। इसके बाद 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान में 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

ड्रोन और मिसाइल का जमाना फिर भी टैंक जरूरीः राजनाथ

रक्षा मंत्री ने 472 करोड़ की टी-72 टैंक ओवरहॉल परियोजना किया भूमिपूजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में टी-72 टैंक ओवरहॉल परियोजना का भूमिपूजन किया। करीब 472 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सुविधा में भारतीय सेना के टी-72 टैंकों की मरम्मत, जांच और तकनीकी उन्नयन किया जाएगा।

परियोजना के पहले चरण में हर साल 12 टी-72 टैंकों का ओवरहॉल और अपग्रेड किया जाएगा। इस परियोजना के तहत आधुनिक प्लांट और टेस्टिंग ट्रैक तैयार किए जाएंगे, जिससे सेना के टैंकों को लंबे समय तक उपयोग के लिए तैयार रखा जा सकेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है और ड्रोन व मिसाइलों का उपयोग बढ़ा है, लेकिन टैंकों की आवश्यकता अभी भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि टैंकों को नई तकनीक, बेहतर सेंसर और आधुनिक क्षमताओं से लैस करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन 2014 के करीब 46 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर अब लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये हो गया है। रक्षा निर्यात भी करीब 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 39 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

इस परियोजना से पहले व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने दो टी-72 टैंकों का सफल ओवरहॉल कर सेना को सौंपा था।

हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा मप्रः डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शिक्षा, चिकित्सा, अधोसंरचना और निवेश सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रदेश से 74 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार औद्योगीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ रहा है, जिससे रोजगार और आर्थिक समृद्धि के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए विधानसभा में विधेयक पारित किया है। यूसीसी से सभी धर्मों के लोगों को समान अवसर और अधिकार मिलेंगे।

ट्रेनिंग विमान क्रैश, पायलट और ट्रेनी की मौत

उड़ान भरने के 20 मिनट बाद खेत में गिरा विमान

नईदुनिया ब्यूरो, कानपुर : उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट और ट्रेनी की मौत हो गई। विमान ने सुबह 11:30 बजे चकेरी स्थित गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर से उड़ान भरी थी। करीब 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास नाथपुरवा गांव में विमान हादसे का शिकार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान करीब 200 से 250 फीट की ऊंचाई पर था, तभी अचानक डगमगाने लगा और क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गया। विमान जमीन पर गिरते ही पूरी तरह टूट गया। हादसे में विमान के पुर्जे दूर तक बिखर गए, हालांकि आग नहीं लगी। मृतकों की पहचान गुजरात निवासी पायलट सचिन भाटिया (29) और महाराष्ट्र के पनवेल निवासी ट्रेनी

अभिषेक पुजारी (28) के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि विमान 39 किलोमीटर दूर नाथपुरवा गांव में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पायलट के पास करीब 3000 घंटे उड़ान का अनुभव था। हादसे की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दे दी गई है। अब डीजीसीए की टीम मामले की जांच करेगी।

टीएमसी के बैंक खातों से निकासी पर रोक

कोलकाताः कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट को पार्टी के चार बैंक खातों के इस्तेमाल की अंतरिम अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इन खातों में करीब 804 करोड़ रुपये जमा हैं और पुलिस ने निकासी पर रोक लगा रखी है। कोर्ट ने कहा कि राहत देने से उसके पहले के आदेश का प्रभाव खत्म हो जाएगा, जिसमें राजनीतिक दल के रोजमर्रा के खर्च की अनुमति दी गई थी।

मोहन भागवत के कार्यक्रम को लेकर हिंदू अमेरिकन एकजुट

न्यूयॉर्क, एजेंसीः आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम को लेकर विवाद शुरू हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। संगठन ने आरोप लगाया कि कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं।

फाउंडेशन ने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी से कार्यक्रम की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। हालांकि एडवाइजरी में किसी आतंकी या हिंसक खतरे की पुष्टि नहीं की गई है। हिंदू

अमेरिकन फाउंडेशन ने कार्यक्रम में आने वाले लोगों को विरोध करने वालों से दूरी बनाए रखने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों को देने की सलाह दी है। आपात स्थिति के लिए 911 नंबर पर संपर्क करने को कहा गया है। मोहन भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कुछ संगठनों ने विरोध किया है। विरोध करने वालों में हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क शामिल हैं।

21 वर्षीय मॉडल की घर में घुसकर हत्या

नई दिल्लीः दिल्ली के तिलक नगर इलाके में बुधवार शाम 21 वर्षीय मॉडल मुस्कान की उसके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। घटना के समय युवती घर में अकेली थी। हत्या का आरोप जिम ट्रेनर इमरान पर लगाया गया है, जो युवती को पहले से जानता था। युवती के परिजन बाहर गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी घर पहुंचा और चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। आरोपी की तलाश जारी है। मृतका के दोस्त ने बताया कि मुस्कान पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम मॉडलिंग करती थी।

नेशनल लॉ स्कूल का दीक्षांत समारोह रद्द सीजेआई सूर्यकांत के विरोध के बाद फैसला

नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरुः बेंगलुरु स्थित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) ने 12 सितंबर को होने वाला दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीजेआई सूर्यकांत को आमंत्रित किया गया था, जिसका छात्रों और पूर्व छात्रों ने विरोध किया था। यूनिवर्सिटी ने 27 अगस्त को समारोह रद्द करने की जानकारी दी, हालांकि जारी नोटिस में विरोध का उल्लेख नहीं किया गया है। पिछले एक महीने में यह चौथा संस्थान है, जहां सीजेआई सूर्यकांत को लेकर हुए विरोध के बाद दीक्षांत समारोह रद्द किया गया या मुख्य अतिथि बदला गया। एनएलएसआईयू के 700 से अधिक छात्रों और पूर्व छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा को समारोह में बुलाए जाने पर आपत्ति जताई थी। इनमें 574 वर्तमान छात्र और 128 पूर्व छात्र शामिल थे। विरोध की शुरुआत हैदराबाद स्थित नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च से हुई थी, जहां छात्रों ने सीजेआई को मुख्य अतिथि बनाए जाने पर सवाल उठाए थे। इसके बाद टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में भी दीक्षांत समारोह से जुड़े बदलाव सामने आए थे।

10वीं मंजिल से कूदी महिला, पेड़ पर फंसने से जान बची

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः मुंबई के भांडुप पश्चिम इलाके में बुधवार सुबह एक नवविवाहिता ने 10वीं मंजिल से छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने से पहले वह नीचे लगे पेड़ पर फंस गई, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि पेड़ की मोटी डाल उसके पैर में घुसने से वह करीब 20 फीट ऊपर हवा में लटक गई। घटना तुलशेतपाड़ा स्थित सनशाइन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की है। सूचना मिलने के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित नीचे उतारा।

बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर, 7 लोगों की मौत

ऑटो में सवार 15 यात्रियों में 6 घायल

नईदुनिया ब्यूरो, पलनाडु : आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में गुरुवार को बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए। घायलों में चार बच्चे भी शामिल हैं। हादसा चिलकलूरिपेट मंडल के अड्डा रोड के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही बस ने 15 यात्रियों से भरे ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऑटो-रिक्शा सड़क के गलत दिशा में मुड़ गया था, जिसके कारण वह बस के रास्ते में आ गया। हादसे के समय बस करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

से चल रही थी। पुलिस के मुताबिक, ऑटो में सवार लोग एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोंडा मंजुरु से वेल्लोर जा रहे थे। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

चेतावनी *उत्तराखंड में हैंगिंग ग्लेशियरों से खतरा, अध्ययन में अचानक बाढ़ की आशंका जताई गई...*

221 ग्लेशियल झीलें बन सकती हैं बड़ी आपदा का कारण

नईदुनिया ब्यूरो, देहरादून : नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ के बाद हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों से जुड़े खतरों को लेकर चिंता बढ़ गई है। देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में हिमालय क्षेत्र में 221 ग्लेशियल झीलों की पहचान की गई है, जिनके फटने से अचानक बाढ़ यानी ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) का खतरा हो सकता है।

अध्ययन के अनुसार, कोसी, यारलुंग जांगबो, मानस और ऊपरी सिंधु नदी घाटियां सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल हैं। भारत में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल

प्रदेश और सिक्किम की कई नदी घाटियां भी खतरे की श्रेणी में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हिमालय क्षेत्र में वर्तमान में करीब 8,357 से 9,280 ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं। वर्ष 1990 के बाद 1,052 नई झीलें बनी हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्लेशियरों के लगातार पीछे हटने और पिघलने से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पानी जमा होने की नई जगहें बन रही हैं। इससे कई पुरानी झीलों का आकार भी बढ़ रहा है। ग्लेशियल झीलों की संख्या के मामले में कोसी नदी घाटी सबसे आगे है। यहां 1,125 झीलें दर्ज की गई हैं। इसके बाद यारलुंग जांगबो, मानस और ऊपरी सिंधु घाटी में बड़ी संख्या में झीलें मौजूद हैं। अध्ययन में चिन्हित 221 संवेदनशील झीलों में कोसी घाटी की 47 झीलें शामिल हैं।

उत्तराखंड में खतरा केवल ग्लेशियल झीलों तक सीमित नहीं है। अलकनंदा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की पहचान की गई है। ये ऊंची और खड़ी ढलानों पर स्थित होते हैं। इनके टूटने पर बर्फ के साथ चट्टान और मलबा तेजी से नीचे आ सकता है, जिससे निचले इलाकों को नुकसान पहुंच सकता है। अध्ययन में बताया गया है कि वर्ष 1533 से 2024 तक करीब 491 वर्षों में ग्लेशियल झील फटने की 254 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें से ज्यादातर घटनाएं अधिक खतरे वाले क्षेत्रों में हुईं। बद्रीनाथ-माणा क्षेत्र के ऊपर तीन ग्लेशियरों की पहचान की गई है, जो संभावित प्रभाव वाले क्षेत्रों में आते हैं। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि आपदा आना तय नहीं है, लेकिन खतरे वाले क्षेत्रों की पहचान कर निगरानी बढ़ाना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, सैटेलाइट निगरानी, रडार, कैमरे और आधुनिक तकनीकों की मदद से खतरे के संकेत पहले मिल सकते हैं। समय रहते चेतावनी मिलने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और नुकसान कम करने में मदद मिल सकती है।